महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी संस्था)

Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan, Ujjain

(An autonomous organisation under Ministry of Education, Govt. of India)

पत्र क्रमांक : 17-3/2026/प्र&वि/मसारावेविप्र/ 2194 **दिनांक:** 10.11.2026

प्रति,

गुरु–शिष्य योजना के समस्त वेदाध्यापक / गुरुजन,
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठानम्, उज्जयिनी।

विषय: वेद गुरु–शिष्य योजना के अंतर्गत सस्वर वेदाध्ययन हेतु विद्यार्थियों की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित करने के संबंध में।

महोदय,

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा संचालित गुरु–शिष्य योजना का प्रमुख उद्देश्य गुरु–शिष्य परम्परा के माध्यम से गुरु द्वारा सस्वर वेद शाखा का संपूर्ण अध्यापन, छात्र द्वारा अध्ययन, सस्वर वेदों का संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार करना है। इस योजना के अंतर्गत एक गुरु के अधीन अधिकतम 10 विद्यार्थियों को सस्वर वेदाध्ययन कराने की अनुमति 2017 से प्रदान की गई है। किन्तु यह देखने में आ रहा है कि कई गुरुजनों के अधीन केवल 3 अथवा 4 विद्यार्थी ही वेद अध्ययनरत हैं। कुछ गुरुजनों के अधीन कोई भी छात्र नहीं थे, अतः अनुदान बंद किया गया । यह स्थिति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। सस्वर वेदाध्ययन एवं वेदपरम्परा के संरक्षण का दायित्व केवल कक्षा में वेद शिक्षण तक सीमित नहीं है, अपितु योग्य एवं इच्छुक विद्यार्थियों को खोजकर उन्हें वेदाध्ययन के लिए प्रेरित करना तथा अपने अधीन नियमित रूप से वेदाध्ययनरत रखना भी गुरु का महत्त्वपूर्ण दायित्व है।

अतः समस्त गुरु शिष्य इकाई वेदाध्यापकों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अधीन **न्यूनतम 6 से 8 विद्यार्थियों की नियमित एवं निरन्तर उपस्थिति तथा सस्वर वेदाध्ययन एवं अन्य विषय अध्यापन सुनिश्चित करें।** इसके लिए प्रत्येक गुरु स्वयं व्यक्तिगत रूप से प्रयास करें तथा अपने क्षेत्र में विद्यार्थियों की खोज, अभिभावकों से सम्पर्क, सस्वर वेदाध्ययन के प्रति जागरूकता एवं प्रवेश हेतु आवश्यक पहल करें। यह सुनिश्चित करना संबंधित गुरु का व्यक्तिगत दायित्व होगा कि उनके अधीन निर्धारित संख्या में विद्यार्थी निरन्तर वेदाध्ययन करते रहें। आगामी वर्षों में प्रतिष्ठान इसके लिए विशेष अभियान चलाएगा।

यह भी स्पष्ट किया जाता है कि केवल गुरु का योजना में संयोजन अथवा योजना के अंतर्गत उनकी संबद्धता अपने आप में योजना के उद्देश्यों की पूर्ति नहीं है। जब तक पर्याप्त संख्या में विद्यार्थी सस्वर वेदों का अध्ययन नहीं करेंगे, स्वाध्याय नहीं करेंगे, कंठस्थ नहीं करेंगे, तब तक सस्वर वेदों का संरक्षण एवं संवर्धन तथा भावी पीढ़ी तक वेद परम्परा का संप्रेषण पूर्ण नहीं माना जा सकता।

अतः जिन गुरुजनों के अधीन विद्यार्थियों की संख्या निर्धारित अपेक्षा से कम है, उनके द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों एवं वेदाध्ययन के प्रति उनके वास्तविक योगदान की प्रतिष्ठान द्वारा समीक्षा की जा सकती है। विद्यार्थियों की अपर्याप्त संख्या एवं उन्हें जोड़ने के लिए अपेक्षित प्रयासों के अभाव को गुरु के सस्वर वेद कार्य-निष्पादन एवं योगदान के मूल्यांकन में ध्यान में रखा जाएगा। इसके परिणामस्वरूप नियमानुसार देय मानदेय की समीक्षा तथा उसमें यथोचित परिवर्तन भी किया जा सकता है।

वेदविद्या मार्ग, चिंतामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन-456006 (म.प्र.)
Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasiya, UJJAIN - 456006 (M.P.)
दूरभाष/Telephone : 0734 - 2502266, 2502254, ई-मेल/E-mail : msrvvpujn@gmail.com, वेब-साईट/Website : www.msrvvp.ac.in

अतः समस्त गुरुजन इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए निर्धारित विद्यार्थी संख्या सुनिश्चित करने हेतु तत्काल प्रभाव से आवश्यक प्रयास प्रारम्भ करें। अपने अधीन सस्वर वेद अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या एवं नए विद्यार्थियों को जोड़ने हेतु किए गए प्रयासों का विवरण प्रतिष्ठान को प्रस्तुत करना भी सुनिश्चित करें। **इस दायित्व के निर्वहन में किसी प्रकार की शिथिलता न करें । छात्रों की कमी को ध्यान में रखते हुए** विशेष परिस्थिति के कारण विद्यार्थियों को प्रवेश अनुमत होगा, तथा उनकी परीक्षा प्रवेश दिनांक से 180 दिनों तक कराई जाएगी।

गुरुओं की सूची संलग्न. (जिन के अधीन में कम छात्र हैं)

भवदीय,

(प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल)
सचिव
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
उज्जयिनी (मध्यप्रदेश)

क्रमांक	इकाई का नाम	छात्रो की संख्या	राज्य
1	Shri V S Pratap Chandra Sharma	3	Tamil Nadu
2	Pt Rohit Vivek Kulkarni	5	Tamil Nadu
3	T. Ramchandra Somyaji	3	Karnataka
4	Ramchandra Bhat	5	Karnataka
5	K. Chaitanya Kumar Sharma	4	Karnataka
6	H.N. Rajesh Shrouty	2	Karnataka
7	Ganesh Suresh Joshi	4	Karnataka
8	Pt. Omkar Uddhav Ramdasi	5	Karnataka
9	Vishal Datta Gandluru	4	Karnataka
10	Pt. Kundukuri Purushottam Sharma	5	Andra Pradesh
11	Shree Saket Bihari Dwivedi	5	West Bengal
12	Pt. Sourabh Garg	5	Maharashtra
13	Durgadash Shivaji Ambulekar	4	Maharashtra
14	Shree Kiran Chandrakant Pathak	3	Maharashtra
15	Dheeraj Dinkar Khalikar	3	Maharashtra
16	Shree Gourav Garg	4	Maharashtra
17	Nilesh Basant Kedar	3	Maharashtra
18	Prassan Tungar	5	Maharashtra
19	Swanand Dhaygude	2	Maharashtra
20	Kiran Anil Pathak	4	Maharashtra
21	Shidhdesh Vidhyadhar Mundale	3	Maharashtra
22	Shree Krishan Madhukar Palaskar	5	Maharashtra
23	Rajendra Purushottam Dhani	4	Maharashtra
24	Shree Ajay Tiwari	5	Maharashtra
25	Chandrabhanu Sharma	5	Uttar Pradesh
26	Satyam Sharma	5	Uttar Pradesh
27	Shree Vidhyanand Jha	5	Uttar Pradesh
28	Shree Trilochan Choudhary	5	Odisha
29	Shree Niranjan Acharya	4	Odisha
30	Shree Viranchinarayan Rath	4	Odisha
31	Shree Saroj Mahapatra	4	Odisha
32	Shree Chinmay Panda	5	Odisha
33	Shree Rahul Kouthum Shakha	4	Odisha
34	Kamalraj Updhyay	3	Uttar Pradesh
35	Deepak Kumar Pandey	4	Uttar Pradesh
36	Kishan Ghimire	3	Asam

क्रमांक	पाठशाला का नाम	छात्रो की संख्या	राज्य
1	Sarvaraya Educational Trust, Kapilashwarapuram, Zamindra's House, Gandhinagar kakinada	4	Andra Pradesh